CS (Main) Exam, 2021

HXS-U-SNKT

संस्कृतम्

प्रथमं प्रश्नपत्रम् (साहित्यम)

समयः होरात्रयम् (घंटा-त्रयम्)

पूर्णोङ्काः 250

प्रश्नपत्र-सम्प्रक्ताः विशेषनिर्देशाः

कृपया प्रश्नोत्तरलेखनपूर्वं निम्नलिखितनिर्देशाः सावधानतया पठनीयाः

खण्डद्वये विभाजिताः अष्ट-प्रश्नाः।

परीक्षार्थिभिः पञ्चेव प्रश्नाः समाधेयाः।

प्रश्नसंख्या 1 तथा 5 अनिवार्ये। शेषप्रश्नेषु त्रयाणां समाधानं प्रदेयम्। तत्र प्रत्येकखण्डात् एकम् अवश्यं करणीयम्।

प्रत्येकप्रश्नस्य तस्य भागस्य च अङ्काः तत्रैव निर्दिष्टाः।

प्रश्नसंख्या 1, 5 तथा 8 संस्कृतभाषयेव समाधेयाः। शेष-प्रश्नानां समाधानं यथेच्छं संस्कृतभाषया अथवा प्रवेशपत्रे स्वीकृत-भाषया करणीयम्। संस्कृतभाषा देवनागरी-लिप्या एव लेखनीया।

प्रश्नोत्तरस्य शब्दसीमा यदि निर्धारिता तर्हि सा सीमा पालनीया।

प्रश्नक्रमानुसारमेव क्रमेण प्रश्नोत्तराणि प्रदेयानि। यदि उत्तरपुस्तिकायां किमपि पृष्ठं रिक्तं (अलिखितं) स्यात् तर्हि तत्र स्पष्टरूपेण अनुलोम-विलोमरेखा (×) विधेया। अंशतः प्रदत्तं प्रश्नोत्तरमपि संपूर्णप्रश्नोत्तरवत् परिगणितं भविष्यति।

SANSKRIT

PAPER—I

(LITERATURE)

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in TWO Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Question Nos. 1, 5 and 8 must be answered in SANSKRIT and the remaining questions must be answered either in SANSKRIT or in the medium authorized in the Admission Certificate. Answer written in SANSKRIT must be in Devanagari script.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

2021 (MSM) 2021 A—8v8 — A—8v8

| 1. | अधोरि | लेखिताः | सर्वे प्रश्नाः संस्कृतभाषया समाधेयाः — | | | | |
|----|---|---------|---|---------|--|--|--|
| | Answer all of the following (to be written in Sanskrit language): | | | | | | |
| | (a) | अधोनि | र्दिष्टाः सर्वे प्रश्नाः संस्कृतभाषया समाधेयाः — | 1×10=10 | | | |
| | | (i) | 'जर्ग्' प्रत्याहारान्तर्गतान् वर्णान् दर्शयत। | | | | |
| | | (ii) | का अनुनासिकसंज्ञा? सूत्रनिर्देशपूर्वकं व्याख्यायताम्। | | | | |
| | | (iii) | संयोगसंज्ञासूत्रं किम्? तस्य कः अर्थः? व्याख्यायताम्। | | | | |
| | | (iv) | सुधी + उपास्यः —केन सूत्रेण ईकारस्थाने यकारादेशः भवति? | | | | |
| | | (v) | तल्लयः — सूत्रोल्लेखपूर्वकं सन्धिविच्छेदः विधेयः। | | | | |
| | | (vi) | <u>यवेभ्यो</u> गां वारयति—रेखाङ्कितपदस्य सकारणं विभक्तिं निरूपयत। | | | | |
| | | (vii) | रूपस्य योग्यम्—समासं समासनाम च दर्शयत। | | | | |
| | | (viii) | मातृसदृशः — विग्रहं समासनाम च दर्शयत। | | | | |
| | | (ix) | बालिका गृहं गच्छति—वाच्यपरिवर्तनं क्रियताम्। | | | | |
| | | (x) | तेन किं कृतम्?—वाच्यपरिवर्तनं क्रियताम्। | | | | |
| | (b) | अधोनि | विर्दिष्टेषु वाक्येषु रेखाङ्कितपदानां ससूत्रं विभक्तिनिरूपणं संस्कृतभाषया करणीयम् — | 2×5=10 | | | |
| | | (i) | द्रोणो ब्रीहिः। | | | | |
| | | (ii) | सिंहो वनम् अध्यास्ते। | | | | |
| | | (iii) | मासेन व्याकरणम् अधीतम्। | | | | |
| | | (iv) | पुष्पेभ्यः स्पृह्यति। | | | | |
| | | (v) | ग्रामस्य दक्षिणेन। | | | | |
| | (c) | अधोवि | लेखितानां सूत्राणाम् अर्थोदाहरणानि संस्कृतभाषया 3-4 पंक्तिभिः प्रदेयानि— | 2×5=10 | | | |
| | | (i) | हलन्त्यम् | | | | |
| | | (ii) | आद् गुणः | | | | |
| | | (iii) | अकः सवर्णे दीर्घः | | | | |
| | | (iv) | दिवः कर्म च | | | | |
| | | (v) | न निर्धारणे | | | | |

| | (d) | संस्कृतव्याकरणशास्त्रानुसारं वर्णानां स्थानप्रयत्नविवेचनं करणीयम्। | 10 | | | |
|------------------------------|------------------------------|--|----|--|--|--|
| | (e) | कर्मधारयसमासमाश्रित्य एको निबन्धो लेख्यः। | 10 | | | |
| 2. | अधोरि | लेखिताः सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः — | | | | |
| Answer all of the following: | | | | | | |
| | (a) | वैदिकभाषायां सुबन्तप्रयोगवैशिष्ट्यं दर्शयत। | 20 | | | |
| | | Discuss the special characteristics of the use of Sup-ending words in Vedic language. | | | | |
| | (b) | लौकिकसंस्कृतभाषायां कारकमाश्रित्य निबन्धं लिखत। | 15 | | | |
| | | Write an essay on the notion of Kāraka in classical Sanskrit language. | | | | |
| | (c) | भाषापरिवारसंरचने संस्कृतस्य योगदानं समीक्ष्यताम्। | 15 | | | |
| | | Critically examine the contribution of Sanskrit to the formation of family of languages. | | | | |
| 3. | अधोरि | लेखिताः सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः — | | | | |
| | Answer all of the following: | | | | | |
| | (a) | संस्कृतसाहित्यसमीक्षणे अलंकारसिद्धान्तस्य इतिहासं वर्णयत। | 15 | | | |
| | | Discuss the history of the theory of Alamkāra in the Sanskrit literary criticism. | | | | |
| | (b) | महाभारते भीष्मस्य भूमिका समीक्षणीया। | 15 | | | |
| | | Analyse the role of Bhīṣma in the Mahābhārata. | | | | |
| | (c) | संस्कृत-नाट्यसाहित्ये भासस्य स्थानं विमृशत। | 10 | | | |
| | | Analyse the position of Bhāsa in the dramatic literature of Sanskrit. | | | | |
| | (d) | संस्कृत-खण्डकाव्यस्य विकासं वर्णयत। | 10 | | | |
| | | Discuss the development of the Sanskrit Khandakāvyas. | | | | |
| 4. | अधोरि | लेखिताः सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः — | | | | |
| | Answer all of the following: | | | | | |
| | (a) | ''गीता सुगीता कर्तव्या''—-उक्तिमिमां सोदाहरणं विशदयत। | 20 | | | |
| | | ''गीता सुगीता कर्तव्या''—Justify this statement with illustrations. | | | | |

| | ''किव्कुलगुरुः कालिदासो विलासः''—Substantiate this statement with illustrations. | |
|--------|--|---|
| (c) | संस्कृतसाहित्ये 'मुद्राराक्षस'नाटकस्य स्थानं विमृशत। | 5 |
| | Discuss the place of the drama, Mudrārākṣasa in Sanskrit literature. | |
| | | |
| | खण्ड—B / SECTION—B | |
| अधोर्व | लेखिताः सर्वे प्रश्नाः संस्कृतभाषया समाधेयाः — 10×5=50 | 0 |
| Ans | wer all of the following (to be written in Sanskrit language): | |
| (a) | पुरुषार्थेषु धर्मस्य वैशिष्ट्यं समीक्ष्यताम्। | |
| | Examine the significance of Dharma from among the Puruṣārthas. | |
| (b) | विवाहसंस्कारस्य महत्त्वं वर्णयत। | |
| | Discuss the importance of the Vivāha-samskāra. | |
| (c) | ब्रह्मचर्याश्रमम् अध्ययनविधिं च वर्णयत। | |
| | Describe the Brahmacaryāśrama and the system of education. | |
| (d) | प्राचीनभारतस्य चित्रकलामधिकृत्य एकं निबन्धं लिखत। | |
| | Write an essay on the art of painting in ancient India. | |
| (e) | प्राचीनभारतस्य मूर्त्तिकलायाः वर्णनं कुरुत। | |
| | Discuss the art of iconography of ancient India. | |
| | | |
| अधोर्व | लेखिताः सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः — | |
| Ans | wer all of the following: | |
| (a) | अद्वैतवेदान्तदर्शनम् अनुसृत्य मायां वर्णयत। | C |
| | Discuss the notion of Māyā according to the philosophy of the Advaita Vedānta. | |
| (b) | सांख्यदर्शनानुसारं पुरुषस्य स्वरूपं निरूपयत। | 5 |
| | Describe the nature of Puruṣa according to the Sāmkhya Philosophy. | |
| (c) | बौद्धदर्शनस्य अष्टाङ्गमार्गान् वर्णयत। | 5 |
| | Describe the Fightfold Path of the Buddhist Philosophy | |

15

(b) ''कविकुलगुरुः कालिदासो विलासः''—सोदाहरणं भिणतिमिमां विशदयत।

5.

6.

- अधोलिखिताः सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः —
 Answer all of the following :
 - (a) प्राचीनभारतस्य नगरयोजनाम् आश्रित्य एकं निबन्धं रचयत।
 Write an essay on the Town-planning in ancient India.

20

15

- (b) भारतीयदर्शनस्य आस्तिकसम्प्रदायेषु मोक्षस्य स्वरूपं तत्प्राप्त्युपायान् च वर्णयत।

 Describe the nature of liberation and means to attain it as discussed in the orthodox schools of Indian Philosophy.
- (c) योगशास्त्रस्य उपकारितां वर्णयत। 15
 Describe the utility of the Yogaśāstra.
- 8. अधोलिखिताः सर्वे प्रश्नाः संस्कृतभाषया समाधेयाः —
 Answer all of the following (to be written in Sanskrit language) :
 - (a) अधोलिखितं सन्दर्भं पठित्वा तदधस्तात् पृष्टानां प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिप्या स्वेन संस्कृतेन प्रदत्त। प्रत्येकम् उत्तरं 3-4 पंक्तिभिः भवेत्— 5×5=25

अस्ति किस्मिंश्चिद्धिष्ठाने चित्ररथो नाम राजा। तस्य योधैः सुरक्ष्यमाणं पद्मसरो नाम सरस्तिष्ठति। तत्र च प्रभूता जाम्बूनदमया हंसास्तिष्ठन्ति। षण्मासे षण्मासे पिच्छमेकैकं परित्यजन्ति। अथ तत्र सरिस सौवर्णो बृहत्पक्षी समायातः। तैश्चोक्तः — अस्माकं मध्ये त्वया न वस्तव्यं येन कारणेनास्माभिः षण्मासान्ते पिच्छैकैकदानं कृत्वा गृहीतमेतत्सरः। एवं च किं बहुना परस्परं द्वैधमृत्पन्नम्। स च राज्ञः शरणं गतोऽब्रवीत्—देव! एते पिक्षण एवं वदन्ति यदस्माकं राजा किं किरिष्यति। न कस्याप्यावासं दद्यः। मया चोक्तम्— न शोभनं युष्माभिरिमिहितम्। अहं गत्वा राज्ञे निवेदियष्यामि। एवं स्थिते देवः प्रमाणम्। ततो राजा भृत्यानब्रवीत्— भो भोः! गच्छत। सर्वान् पिक्षणो गतासून् कृत्वा शीघ्रमानयत। राजादेशानन्तरमेव प्रचेलुस्ते। लगुडहस्तान् राजपुरुषान् दृष्ट्वा तत्रैकेन पिक्षणा वृद्धेनोक्तम्— भोः स्वजनाः! न शोभनमापिततम्। ततः सर्वेरिकमतीभूय शीघ्रमृत्पतितव्यम्। तैश्च तथानुष्ठितम्।

- (i) पद्मसरः कस्य कथं च सुरक्षितम्?
- (ii) तत्र के किं कुर्वन्तः तिष्ठन्ति?
- (iii) आगतेन बृहत्पक्षिणा तेषां कीदृशं सम्भाषणं जातमृ?
- (iv) बृहत्पक्षी राज्ञे किं निवेदितवानु?
- (v) राजादेशानन्तरं किं किमभूत्?

(b) अधोलिखितं सन्दर्भं पठित्वा तदधस्तात् पृष्टानां प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिप्या स्वेन संस्कृतेन प्रदत्त। प्रत्येकम् उत्तरं 3-4 पंक्तिभिः भवेत्— 5×5=25

मित्रगुप्तोऽप्याचचक्षे—सोऽहमपि सुहृत्साधारणभ्रमणकारणः सुह्येषु दामिलप्ताह्ननगरस्य बाह्योद्याने महान्तमृत्सवसमाज-मालोकयम्। तत्र कचिदितमुक्तकलतामण्डपे कमपि वीणावादनेनात्मानं विनोदयन्तमृत्किण्ठतं युवानमद्राक्षम्, अप्राक्षं च—''भद्र को नामायमृत्सवः? किमर्थं वा समारब्धः? केन वा निमित्तेन उत्सवमनादृत्य एकान्ते भवानुत्किण्ठत इव वीणाद्वितीयस्तिष्ठति?'' इति। सोऽभ्यधत्त—''सौम्य सुह्यपितस्तुङ्गधन्वा नामानपत्यः प्रार्थितवान् अमुष्मिन् आयतने वसन्त्या विन्ध्यवासिन्याः पादमूलादपत्यद्वयम्।'' अनया च अस्मै प्रतिशयिताय स्वप्ने समादिष्टम्—''समृत्पत्स्यते तव एकः पुत्रः, जिनस्यते चैका दुहिता। स पुत्रो भिगन्याः आदरं करिष्यित। सा तु सप्तमाद् वर्षादारभ्य आपरिणयनात् प्रतिमासं कृत्तिकासु कन्दुकनृत्येन गुणवद्भर्तः लाभाय मां समाराधयतु। यं चाभिलषेत् सा अमुष्मै देया। स चोत्सवः कन्दुकोत्सवनामास्तु'' इति।

- (i) मित्रगुप्तः किं कुर्वन् उत्सवं दृष्टवान्?
- (ii) उद्याने स कीदृशं युवानम् अपश्यत्?
- (iii) तं युवानं मित्रगुप्तः किं पृष्टवान्?
- (iv) स युवकः किम् अभिहितवान्?
- (v) सुह्मपतिः स्वप्ने कं समादेशं प्राप्तवान्?

* * *